नैक (NAAC) द्वारा "A" ग्रेड प्राप्त

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya, Wardha

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

जनसंपर्क विभाग- Ph./Fax: 07152-252651 मो.9960562305

इ-मेल: mgahvpro@gmail.com वेबसाइट : www.hindivishwa.org

'शिक्षण एवं अधिगम का निर्माणवादी उपागम' विषय पर तीन दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला, हिंदी विवि का आयोजन

वर्धा, 3 फरवरी 2018 : महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा (महाराष्ट्र) के शिक्षा विद्यापीठ द्वारा पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक एवं शिक्षण मिशन के अंतर्गत 'शिक्षण एवं

अधिगम का निर्माणवादी उपागम' विषय पर त्रिदिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला 30 जनवरी से 01 फरवरी, 2018 के मध्य आयोजित की गई। कार्यशाला में देश के लगभग सभी प्रान्तों के केंद्रीय विश्वविद्यालय, राज्य विश्वविद्यालय एवं विभिन्न शैक्षिक संस्थाओं से शिक्षाविद, विचारक, शोधार्थियों ने भाग लिया। उदघाटन सत्र की अध्यक्षता प्रसिद्ध समाज वैज्ञानिक प्रो. मनोज कुमार ने की। कार्यशाला की संक्षिप्त

रुपरेखा डॉ. शिरीष पाल सिंह ने प्रस्तुत की । डॉ. गोपाल कृष्ण ठाकुर, अध्यक्ष, शिक्षा विभाग,

म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा ने स्वागत वक्तव्य दिया । उदघाटन वक्तव्य प्रो. एम.ए. सिद्दीकी, पूर्व अध्यक्ष, एन.सी.टी.ई., ने प्रस्तुत किया । अपने उदबोधन में उन्होंने वर्धा में 1973 में आयोजित अखिल भारतीय

शिक्षा सम्मेलन का संदर्भ लेते हुए निर्माणवादी उपागम की संकल्पना को स्पष्ट किया । कार्यशाला के

प्रथम दिन निर्माणवादी उपागम के सैद्धान्तिक पक्ष पर डॉ. दिबाकर सारंगी, डॉ. शबाना अशरफ, डॉ. लोकनाथ मिश्रा, डॉ. संजय कुमार पण्डागले एवं प्रो मंजुला पी. राव ने प्रकाश डाला। कार्यशाला के दूसरे दिन डॉ. सोमु सिंह, डॉ. पतंजलि मिश्रा, डॉ. जुबली पदमाथन, डॉ. आरती श्रीवास्तव, डॉ. सीता लक्ष्मी, डॉ. जगप्रीत कौर एवं डॉ. नारंगीपीति अमरेश्वरम द्वारा निर्माणवादी कक्षा के विभिन्न पहलू पर विस्तार से चर्चा की गई। दूसरे दिन के अंतिम सत्र एवं तीसरे दिन के प्रथम सत्र में निर्माणवादी उपागम पर आधारित पाठ-योजना-प्रारुप का विकास एवं प्रकरण आधारित पाठ-योजना का निर्माण कर प्रस्तुत किया गया। कार्यशाला के समापन सत्र में अतिथि वक्तव्य प्रो. अरबिन्द कुमार झा एवं प्रो. हनुमान प्रसाद शुक्ल ने दिया। समापन सत्र की अध्यक्षता, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के प्रतिकुलपति प्रो. आनंद वर्धन शर्मा ने की एवं धन्यवाद ज्ञापन आयोजन सचिव डॉ. शिरीष पाल सिंह द्वारा किया गया।

समापन सत्र में प्रतिभागियों ने कार्यशाला की प्रतिपुष्टि के संदर्भ में कहा कि यह कार्यशाला निर्माणवादी उपागम के क्षेत्र में मील का पत्थर सिद्ध हुई है। एक प्रतिभागी ने कहा कि इस कार्यशाला के आयोजन में निर्माणवादी उपागम सन्निहित ही निर्माणवादी उपागम के क्षेत्र में यह कार्यशाला एक नया अध्याय जोड़ गई।

हिंदी विश्वविद्यालयात शिक्षणाच्या पद्धती वर
तीन दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाळा संपन्न

वर्धा, 3 फेब्रुवारी 2018 : महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालयात शिक्षा विद्यापीठाच्या वतीने पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक व शिक्षण मिशन अंतर्गत 'शिक्षण आणि शिकविण्याच्या पद्धती या विषयावर तीन दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाळा 30 जानेवारी ते 01 फेब्रुवारी या काळात आयोजित करण्यात आली. यात देशभरातील केंद्रीय विश्वविद्यालय, राज्य विश्वविद्यालय आणि विविध शैक्षणिक संस्थांमधून शिक्षाविद, विचारवंत, शोधार्थी यांनी भाग घेतला. कार्यशाळेचे उदघाटन प्रो. मनोज कुमार यांच्या अध्यक्षतेखाली झाले. कार्यशाळेची रुपरेखा डॉ. शिरीष पाल सिंह यांनी स्पष्ट केली. डॉ. गोपाल कृष्ण ठाकुर, अध्यक्ष, शिक्षा विभाग, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा यांनी स्वागत वक्तव्य दिले. उदघाटन वक्तव्य प्रो. एम.ए. सिद्दीकी, माजी अध्यक्ष, एन.सी.टी.ई., यांनी दिले. आपल्या भाषणात त्यांनी वर्धा येथे 1973 मध्ये आयोजित अखिल भारतीय शिक्षण सम्मेलनाचा उल्लेख केला. यावेळी डॉ. दिबाकर सारंगी, डॉ. शबाना अशरफ, डॉ. लोकनाथ मिश्रा, डॉ. संजय कुमार पण्डागले व प्रो. मंजुला पी. राव यांनी प्रकाश टाकला. दुस-या सत्रात डॉ. सोमु सिंह डॉ. पतंजलि मिश्रा, डॉ. जुबली

पदमाथन, डॉ. आरती श्रीवास्तव, डॉ. सीता लक्ष्मी, डॉ. जगप्रीत कौर व डॉ. नारंगीपीति अमरेश्वरम द्वारा शिक्षणाचे आधुनिक पैलू यावर विचार मांडले. कार्यशाळेचा समारोप प्रो. अरबिन्द कुमार झा आणि प्रो. हनुमान प्रसाद शुक्ल यांच्या भाषणाने झाला. अध्यक्षस्थानी विश्वविद्यालयाचे प्रकुलगुरु प्रो. आनंद वर्धन शर्मा होते. आभार आयोजन सचिव डॉ. शिरीष पाल सिंह यांनी मानले.

A three-day national workshop on
'Constructive Approach of Teaching and Learning'

Wardha, 3 Feb. 2018: A three-day national workshop - 'Constructive Approach of Teaching and Learning' was organised by by School of Education, Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya, Wardha (Maharashtra) under Pandit Madan Mohan Malviya National Mission on Teachers and Teaching from 30th January to 01st February, 2018. Academicians, educational thinkers and researchers from different central universities, state universities and various educational institutions of most of the states of the country participated in this workshop. The inaugural session of the workshop was chaired by famous social scientist and Gandhian thinker Prof. Manoj Kumar, Dean, School of Anthropology and Social Science. The Workshop Director, Dr. Gopal Krishna Thakur, Head of Deptt. of Education welcomed the dignitaries and participants on this auspicious occasion. A brief introduction of the workshop was presented by the Workshop Secretary, Dr. Shireesh Pal Singh, Associate Professor, Deptt. of Education. The Chief Guest of the session Prof. M.A. Siddiqui, former Chairperson, NCTE, New Delhi inaugurated the workshop with his inspiring and thought provoking speech. In his note, he elaborated the concept of constructivist approach of teaching and learning while referring to All India Education Conference held in Wardha in 1937. The session was concluded with vote of thanks by the Workshop Coordinator Mrs. Shilpi Kumari, Asst. Professor, Deptt. of Education. The inaugural session was anchored by Dr. Bharat Kr. Panda, Asst. Professor, Deptt. of Education with his charismatic gesture. On the first day of the workshop the resource persons Dr. Dibakar Sarangi, Dr. Shabana Ashraf, Dr. Loknath Mishra, Dr. Sanjay Kumar Pandagale and Prof. Manjula P. Rao threw light into the theoretical concept of the constructive pedagogy and discussed about various constructivist learning strategies and models. Other resource persons, Dr. Somu Singh, Dr. Patanjali Mishra, Dr. Jubilee Padmanabhan, Dr. Aarti Srivastav, Dr. Sita Lakshmi, Dr. Jagpreet Kaur and Dr. Naranginiti Amareswaran highlighted various aspects of a constructivist classroom on the second day of the workshop. In the post-lunch session of the second day and the pre-lunch session of the third day constructivist lesson plans were developed by the participants under the guidance of the resource persons in their respective pedagogy subject groups. In post-lunch session of the third day the resource persons

shared their observations about the process of lesson plans developed by the participants in their respective groups. The valedictory session was started with welcome address by Dr. Gopal Krishna Thakur, Head Deptt. of Education. It was followed by the presentation of the report of the workshop by the Workshop Convener Mrs. R. Pushpa Namdeo, Asst. Professor, Deptt. of Education. Guest Speaker of the session Prof. Arbind Kr. Jha, Faculty of Education, BBAU, Lucknow asserted how construction of knowledge on the part of learners is influenced by their culture and society. Guest of Honour, Prof. H. P. Shukla, Dean, school of Language addressed the importance of creativity in construction of knowledge. The Pro-vice Chancellor of the university Prof. Anand Vardhan Sharma chaired the session. In his speech, he emphasised on the necessity of constructivist approach of teaching and learning in the present context of Indian School Education. The session was concluded with vote of thanks by Workshop Organising Secretary Dr. Shireesh Pal Singh. The resource persons and the participants appreciated the efforts made during the workshop by the organising committee and considered it as a magnificent beginning and hope in long run such endeavors would establish a new mile stone in the field of constructivist school education.